B.A. Part. II - 2013

DRAWING AND PAINTING

Scheme :

Paper I (Theory) -History of Indian Art

Duration : 3 Hours	Max. marks - 100	Min. pass Marks-36

Paper II (Practical)- Portrait Painting (Bust)

Duration: 5 Hours	Max. Marks-40	Min. Pass Marks-14

Paper III (Practical)- ' Rendering of Portrait'

Duration : 5 hours	Max. Marks-40	Min. Pass marks -14

Submission of Practical Work

Max. marks -20	Min. Pass Marks-08
Total marks-200	Total Pass Marks-72

Paper –I "History of Indian Art"

Scheme :

Duration : 3 Hours	Max. marks - 100	Min. pass Marks-36

Note:- The question paper will contain three sections as under-

Section –A : One compulsory question with 10 Parts having 2 parts from each unit. Short answer in 20 words for each part. Total marks :10

Section-B: 10 questions 2 questions from each unit,5questions to be attempted taking one from each unit .answer approximately in 250 words . Total marks 50

Section:- C 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit.descriptive type answer in about 500 words.2questions to be attempted. Total marks 40

Unit-I : Prehistoric Painting, Ajanta Painting, Jain Painting, Rajasthani Painting (Udaipur, Jodhpur Kishangarh, Jaipur, Kota & Bundi Style of Painting Mugal Painting, Pahari Painting (Kangra & Basoli style of Painting, Patana School and Daccan style of Painting.

Unit -II : Re-naissance of Indian painting Bangal school - Ravanindra Nath Thakur, Nand Lal Bose, Gagnendra Nath, Asit Kumar Halder.

Unit III : Contemperory artists of India. Raja Ravi Verma, Rabindra Nath Tegore, Jamini Roy, Amrita Shergil, M.F. Hussain, N.S. Bendra, K.K.Habber, Ram Kumar, Satish Gujral, Tayab Mehta, Akbar Padamasi.

Unit IV : Contemperory artists of Rajasthan ,. Ramgopal Vijayvargiya, Kripal singh Shekhawat,. Deoki Nandan Sharma, P.N. Choyal, Jyoti Swaroop, Ram Jaiswal.

Unit V : Sculpture of India & Rajasthan : Protohistoric Sculpture (Mohan Jodaro & Harappa), Sculptures of Morya, Sung & Gupta Period Mathura & Gandhar style of Sculpture, Rajasthani Sculpture : Delwara, Ranakpur, Arthuna, Badoli & Aabaneri Sculpture.

Reference Book

1. Trends in Indian Painting   M. Kaul
2. History of Indian Painting   Percy Brown

Paper II (Practical) "Portrait Painting"

Duration 5 Hrs.   Max. Marks: 40   Min. Pass Marks:14

The Examination shall have two Sessions of 2½ hours each with a break of 30 minutes in between.

Size ½ Imp.

Medium - Water, Tempera or oil Colour.

Model : (Male or Female 20 to 50 years) Should be arranged against drapery background with simple folds, study should represent an impressionistic image of the model with proper handling of medium, colour and technique with correct drawing and effect of light and shade.

Paper III (Practical) "Rendering of Portrait"

Duration: 5 Hours   Max. Marks:40-   Min. Pass Marks:14

Note: The Examination shall have two session of 2½ hours each with a break of ½ an hour in between.

Size - ½ Imp.

Medium - Water, Tempera or Oil Colour.

Distortion (Rendering) should depend on portrait painting of practical paper II.

Submission of work :

Max. Marks: 20 Min. Pass Marks:08

Every Candidate will have to submit the following work one month before the commencement of the annual examination.

Ten plates of the work done (5 plates of life study - Practical paper II and 5 plates of "Composition" done for practical Paper III) during the session.

A sketch Book of not less then 100 Sketches, size ¼ Imp. of human figure, (Realistic and Creative) animals, Lanes, Trees in pencil, ink and water colour.

Note: Submission work will be submitted to the Head of the Department of Drawing & Painting of the College one month before the commencement of Examination:

The Marks of the submission work will be awarded internally by the Head of the Department with the consent of the concerning teacher. In case of any dispute the decision of the H.O.D. will be final. Submission work will be returned after the practical Examination to the candidates from the department, thereafter, if no claim is made within one month of the practical Examination the 'submission' will be destroyed.

Candidate should pass in theory as well as in practical papers separately.

There should be minimum 10 periods for the regular study. (4 periods for theory and 6 periods for practical including 1 periods for Sketching).

Practical Examination will be conducted at the centers. An External examiner will examine the answer sheets in consultation with an internal examiner who is the subject teacher of the department of Drawing & Painting.

Practical Paper II & III will be evaluated separately. There will be no supplemnetary examination in practical paper II and III it is compulsory to pass in every paper separately including submission of work.

The Department should also arrange for an educational tour to ancient art centres like. Ajanta, Ellora, Elephanta, Khajuraho, National Art Gallery of New Delhi, and to fine Art institutions in other cities of the country.

In each practical batch there should not be more than twelves students, even in sketching periods.

बी.ए. पार्ट द्वितीय–2013
आरेखन एवं रंगाकन

योजना

प्रथम प्रश्न पत्र 1 (सैद्धान्तिक) भारतीय कला का इतिहास

अवधि – 3 घण्टे अधिकतम अंक – 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक –36

द्वितीय प्रश्न पत्र : प्रायोगिक पोर्ट्रेट पेन्टिंग (जीवन अध्ययन)

अवधि – 5 घण्टे अधिकतम अंक – 40 न्यूनतम उत्तीर्णांक –14

तृतीय प्रश्न पत्र : प्रायोगिक अनुर्अकन

अवधि – 5 घण्टे अधिकतम अंक – 40 न्यूनतम उत्तीर्णांक –14

सत्रीय प्रायोगिक कार्य अधिकतम अंक – 20 न्यूनतम उत्तीर्णांक –8

प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक) भारतीय कला का इतिहास

अवधि – 3 घण्टे अधिकतम अंक – 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक –36

नोट :- इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न होगा, जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक :10

खण्ड ब: इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नो के उत्तर देने होगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक : 50

खण्ड स: इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है।) जो सभी इकाईयों में से दिये जावेगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक :40

इकाई – 1

प्रागैतिहासिक चित्रकला, अजन्ता चित्रकला, जैन चित्रकला, राजस्थानी चित्रकला, (उदयपुर, जोधपुर, किशनगढ़, जयपुर, कोटा और बून्दी शैली (मुगल चित्रकला, पहाड़ी चित्रकला (कांगड़ा एवं बसौली शैली) पटना शैली एवं दक्कन चित्र शैली

इकाई – 2

भारतीय चित्रकला का पुनरूत्थान काल, बंगाल शैली, अवनीन्द्र नाथ ठाकुर, नन्दलाल बोस, गगनेन्द्रनाथ, असित कुमार हल्दर।

इकाई – 3

समसामयिक भारतीय चित्रकार, राजारवि वर्मा, रविन्द्रनाथ टैगोर, जामिनी राय, अमृता शैरगिल, एम.एफ. हुसैन, एन.एस. बेन्द्रे, के.के.हैब्बर, राम कुमार, सतीश गुजराल, तैयब मेहता, अकबर पदमसी

इकाई – 4

राजस्थान के समसामयिक चित्रकार – रामगोपाल विजयवर्गीय, कृपाल सिंह शेखावत, देवकीनन्दन शर्मा, पी. एन. चौयल, ज्योति स्वरूप, राम जैसवाल

इकाई – 5

भारतीय एवं राजस्थानी मूर्तिकला, प्रागैतिहासिक मूर्तिकला (मोहन जोदड़ो ,हड़प्पा) मौर्य, शुंग एवं गुप्तकालीन मूर्तिशिल्प, मथुरा एवं गांधार शैली की मूर्तिकला । राजस्थानी मूर्तिकला : देलवाड़ा, रणकपुर, अरथूना, बाडोली और आबानेरी के मूर्तिशिल्प।

सहायक पुस्तकें

1. भारतीय चित्रकला का इतिहास : वाचस्पति गैरोला
2. भारतीय चित्रकला अविनाश बहादुर वर्मा
3. कला विलास डॉ. आर. ए. अग्रवाल
4. आभार राजस्थान ललित कला अकादमी
5. जीवन वृत्त प्रकाश, केन्द्रीय एवं राजस्थान ललित कला अकादमी।
6. भारतीय चित्रकला का इतिहास, प्रेमचन्द गोस्वामी

द्वितीय प्रश्न पत्र - पोट्रेट पेन्टिंग (रचनात्मक)- जीवन अध्ययन

परीक्षा अवधि - 5 घण्टे

नोट :- परीक्षा दो सत्रों में सम्पन्न होगी। परीक्षा अवधि 5 घण्टे व प्रत्येक सत्र 2½ घण्टे का होगा । दोनों सत्रों के मध्य 30 मिनट का मध्यान्तर होगा।

पूर्णांक :- 40 न्यूनतम उत्तीर्णांक - 14

उत्तर पत्र का आकार ½ इम्पी.

माध्यम :- जलरंग, तेलरंग अथवा टेम्परा कलर्स

बाह्य परीक्षक की सहमति - निर्देश के आधार पर मॉडल (स्त्री पूरूष बीस वर्ष से 60 वर्ष) बिठाया जायेगा। पृष्ठभूमि में बाह्य परीक्षक एवं आन्तरिक परीक्षक की सहमति से अनुकूल रंग का पर्दा साधारण सलवटों के साथ टांगेंगे और अग्रभूमि में अध्ययन हेतु मॉडल स्थित करेंगे। अध्ययन सही आकार रंग, माध्यम के अनुकूल प्रयुक्तिकरण के साथ प्रभाववादी यथार्थ प्रस्तुतीकरण होना चाहिये।

तृतीय प्रश्न पत्र प्रायोगिक अनुर्अंकन

नोट :-परीक्षा दो सत्रों में सम्पन्न होगी । परीक्षा अवधि 5 घण्टे व प्रत्येक सत्र 2½ घण्टे का होगा। दोनों सत्रों के मध्य 30 मिनट का मध्यान्तर होगा।

अधिकतम अंक - 40 न्यूनतम उत्तीर्णांक - 14

उत्तर पत्र का आकार ½ इम्पी.

माध्यम : जलरंग, तेलरंग अथवा टेम्परा

यह अनुर्अंकन प्रश्न पत्र द्वितीय में प्रस्तुत पेंटिंग की सृजनात्मक पुर्नभिव्यक्ति होगी, अभिव्यक्ति में आकार की पुनर्सरचना (डिस्टॉर्शन)

रंग योजना, माध्यम - चरित्र रेखा, टेक्सचर इत्यादि का अनुकूल प्रयोग वांछित होगा।

सत्रीय कार्य प्रस्तुति : पूर्णांक : 20 न्युनतम उत्तीर्णांक : 8

आकार 1/2 इम्पीरियल की 100 पृष्ठों की एक अभ्यास पुस्तिका

सत्रीय कार्य प्रत्येक परीक्षार्थी परीक्षा दिनांक घोषित होने के एक माह पूर्व विभागाध्यक्ष के पास प्रस्तुत करेगा।

सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आन्तरिक रूप से विभागाध्यक्ष व विषय के प्राध्यापक करेंगे। किसी भी विवाद की स्थिति में विभागाध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा। सत्रीय कार्य में प्रत्येक छात्र प्रश्न पत्र द्वितीय एवं तृतीय प्रश्न पत्रों के पांच पांच अभ्यास चित्र एवं 1/2 इम्पीरियल आकार के मानव-मुख चित्र मानवाकृतियाॅ, पशु आकृतियाॅ, वृक्ष समूह गलियों आदि के माध्यम से सृजनात्मक रेखांकन (पेन्सिल इंक मोनोक्रोम) प्रस्तुत करेगा। पोट्रेट पेन्टिंग के सजीव कार्य में पेन्सिल में एक या मोनोक्रोम में व शेष सम्पूर्ण रंग में हो। प्रायोगिक परीक्षा उपरान्त, सत्रीय कार्य, परीक्षार्थी को वापस कर दिया

जावेगा। सत्रीय कार्य प्रस्तुत न करने वाले परीक्षार्थी को प्रायोगिक परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जावेगा। यदि कोई परीक्षार्थी अपना सत्रीय कार्य निश्चित समय पर वापस नहीं लेंगे तो प्रायोगिक परीक्षा आयोजन के एक माह बाद यह कार्य समाप्त कर दिया जायेगा।परीक्षार्थी को तीन प्रश्न पत्रों एवं सत्रीय कार्य में पृथक-पृथक उत्तीर्णांक लाना अनिवार्य है।सभी रचनात्मक परीक्षाओं में बाह्य परीक्षक आन्तरिक परीक्षक की सहमति से मूल्यांकन करेगा। प्राचार्य, आन्तरिक परीक्षक की नियुक्ति विभागाध्यक्ष द्वारा नाम की प्रस्तुति पर आधारित होगी।

नियमित छात्रों के लिये कुल 10 कालांश एक घण्टे के होने चाहिये। जिसमें से 4 कालांश सैद्धान्तिक प्र८न पत्र में और 6 प्रायोगिक प्र८न पत्रों में 1 स्केचिंग का होना चाहिये।

प्रत्येक विभाग को, सत्र में कम से कम एक बार किसी कला-केन्द्र, कला तीर्थ पर ७ौक्षणिक यात्रा पर ले जाना चाहिए।

प्रत्येक प्रायोगिक कक्षा के बैच में 12 विद्यार्थियों से ज्यादा नहीं होंगे। बाह्य स्केचिंग कक्षा में भी।